

बच्चों के लिए अपॉइंटमेंट...!!!

हम सभी ब्रह्मा ब्रह्म इस संसार में बहुत-बहुत भाग्यवान हैं। जब देखें हम सभी अपने भाग्य को और मुस्कुराएं। भगवान के साथ जीवन जीने का मौका मिला। उसकी पालना में पलने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ। उसने हम सभी को एक बहुत सुन्दर अवसर दे दिया कि बच्चे सवेरे 3:00, 3:30, 4 बजे तक का समय तुम बच्चों के लिए है। अपॉइंटमेंट दे दो भगवान ने। तुम मेरे से मिलन करो। तुम मेरे से बरदान लो। मेरे से भिन्न-भिन्न तरह के अनुभव प्राप्त करो। 5 बजे के बाद का समय भक्तों के लिए है। शिव बाबा ने अपॉइंट कर दिया। तब मैं भक्तों की सुनता हूँ, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करता हूँ, उनके पास भी जाता हूँ कभी-कभी।

कोई बहुत सच्चा भक्त होता है, अच्छे कर्म किए होते हैं तो मैं उसके पास भी जाता हूँ। तो सवेरे उठें आप, काम-धन्या तो चलता रहेगा। अपनी दिनचर्या को सेट करें अच्छी तरह से। टाइम पर सो जाएं, टाइम पर उठ जाएं। पढ़ते थे ना, अर्ली टू बेड, अर्ली टू राइज, मेक्स अ मेन हेल्दी, वेल्दी एंड वाइस। सवेरे उठना तो हेल्थ के लिए बहुत अच्छा है। बुद्धि का विकास होगा आपकी। सुन्दर विचार मन में उठेंगे। तो सवेरे उठने का मन बना लें। कई लोग कहते हैं तभी तो बहुत गहरी नींद आती है। मजा तो तभी आता है। लेकिन उससे ज्यादा मजा तो भगवान से मिलने में आएगा ना। उस मजे को चखकर देखें। उस रस का आनंद लेकर देखें। आगे-पीछे सो सकते हैं आप।

कई बाबा के बच्चे तो ऐसा भी करते हैं कि बारह बजे भी अये या एक बजे भी अये 4 बजे उठे, थोड़ा-सा फ्रेश रहेंगे। जितना भी हो आधा-पौना घंटा योगाभ्यास कर लिया क्योंकि थके थे, फिर फ्रेश हो गये, फिर सो गये। क्योंकि आत्म संतोष मिला कि सवेरे उठकर प्रभु मिलन किया। अपने को चार्ज किया। तो रात सवेरे

हम अपने को श्रेष्ठ संकल्पों से चार्ज भी करेंगे। और तब बाबा से अच्छा मिलन होगा और हमारी एकाग्रता भी बहुत अच्छी होगी। जिसका प्रभाव सारे जीवन पर पड़ेगा। आपको स्टडी पर पड़ेगा, आपकी बुद्धिमानी पर पड़ेगा, आपके काम-धन्यों पर पड़ेगा। आपको सफलता पर पड़ेगा। कितने लाभ हैं इसके।

सवेरे के लिए दो बातें मैं आपके सामने रख रहा हूँ। एक है - अपनी प्राप्ति की एक लिस्ट बना लें। कम से कम 15-16, नहीं तो 25। क्या-क्या मिला इस अंतिम जन्म में। सवेरे उठकर या तो उसे पढ़ लिया करें या याद



वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. सूरज गाई

प्राप्ति अपॉइंटमेंट को सुन्दर यादगार बनाने के लिए क्या-क्या बातें करेंगे और क्या-क्या प्राप्त किया जा सकता है, इसकी कम से कम 15 सुन्दर बातें निकालें। और जो सुन्दर अवसर मिला है मिलने का, उसे अनुभवयुक्त यादगार बनाएं। उस सुन्दर मिलन की तरफ बुद्धि रूपी कैमरे में खींच लें। ऐसा मौका बार-बार कब मिलेगा!!

कर लिया करें। और मन को खुरी में डांस करा दो। मन आपके डांस करेगा, करा क्या दो। सबसे पहली प्राप्ति स्वयं भगवान मिले। ये बात अगर किसी बड़े सन्यासी से पूछी जाए तो क्या उत्तर मिलेगा आप समझ सकते हैं। संकराचार्य भी क्या उत्तर देंगे आप समझ सकते हैं। वो कहेंगे अहम ब्रह्मास्मि। मैं ही वो हूँ। भगवान से मिलन, वो हमारा परमापिता हम वही कैसे हो सकते हैं। शिव तो पिता है, हम शिव कैसे हो सकते हैं। वो तो सृष्टि का क्रिएटर है। हम क्रिएटर हैं क्या? वो भाग्यविधाता है, हम किसी के भाग्यविधाता हैं क्या? याद करें उठते ही... "वाह मेरा भाग्य"। स्वयं भगवान मिल गए। मेरे

पास आ गये। कितने मेरे पुण्य थे, जो भगवान से मेरा मिलन हुआ।

अब इस निगोडिक्टो को छोड़ देंगे कि देर से क्यों हुआ, जल्दी क्यों नहीं हुआ? पहले मिल जाते तो अच्छा होता, ये सब नहीं। मिलने का समय निश्चित है इस इला में। जब मिले तब का ही आनंद लो। ये सोच-सोच कर आनंद को भूला न दो कि पहले क्यों नहीं मिले?

दूसरी प्राप्ति, उसने आकर सत्य ज्ञान दिया। ज्ञान बहुत बड़ी चीज है। भगवान को हजारों सालों से लुंछते आये, वो है कौन? मैं कौन हूँ? कहाँ रहता है वो? समझ में नहीं आया तो कह दिया कि सब जगह रहता है। कहाँ मिलोगे फिर सब जगह रहता है तो। हमारे अन्दर ही है तो फिर मिलने की प्यास क्यों है? सोच के देखो। तुम्हारे अन्दर बैठा है तो उसकी फीलिंग है कुछ? वो शांति का सागर है तो तुम अशांति। वो प्रेम का सागर है और तुम नफरत के सागर। वो पवित्रता का सागर है और तुम विषय विकारों के सागर बन गए हो। कहाँ है भगवान अन्दर। अन्दर होता तो ये सब दुर्गति थोड़े ही होती मनुष्य की। सत्य ज्ञान दे दिया। जीवन जीने की राह मिल गई। लोग अंधकार में भटक रहे हैं। बहुत सहारा मिला, भगवान ने जैसे ही कहा कि मोटे बच्चे, तुम मेरे हो, मैं तुम्हारा हूँ। मैं तुम्हारे साथ हूँ। मैं तुम्हें मदद करता हूँ। मैं तैयार हूँ, जब भी तुम्हें समस्या हो मुझे बुला लो, सदा रेडी हूँ तुम्हारे लिए। कितनी बड़ी चीज हो गई। भगवान सहारा बन गया। वो बाप, टीचर, सद्गुरु बनकर आ गया। गति-सद्गति का मार्ग दिखा दिया उसने। भटकने की जरूरत नहीं रही। जीवन नैया की पतवार अपने हाथ में ले लो। निश्चित होकर जीवनमय यात्रा करो। मैं हूँ तुम्हारी पतवार। कितनी बड़ी चीज है! संसार में लोगों का जीवन चिंताओं से भरा हुआ है, परेशानियों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि सब मुझे दे दो, हल्के हो जाओ। और हमें बना दिया बेफिक्र चादशाह। सो गया था हमारा भाग्य। सोपे हुए भाग्य को पुनः जगा दिया।



दिल्ली-किंग्सवे कैप। माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से स्नेह भरी मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. साधना बहन तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।



मोहा-सेक्टर 50(उ.प्र.)। किंगरापु राम मोहन नायडू, केंद्रीय नगर निगम मंत्री, भारत सरकार से स्नेह मुलाकात कर ब्रह्माकुमारी संस्था की गतिबिधियों की जानकारी देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. साधना, किंग्सवे कैप, दिल्ली व दिल्ली बोनल कोऑर्डिनेटर पॉलिटेक्निक विंग एवं ब्र.कु. फलक, दिल्ली एनसीआर नॉनडा कोऑर्डिनेटर पॉलिटेक्निक विंग।



राजसमंद-राज। नवनिर्वाचित जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल से आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पूनम बहन। साथ हैं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक एवं ब्र.कु. गौरी।



दिल्ली-हरिनगर। विश्व पर्यावरण दिवस पर पंडित दीन दयाल खट्वा से आयोजित कार्यक्रम के दौरान सम्प्रेषित करते हुए विश्वपक श्याम शर्मा। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. अनुसूया दीदी, ब्र.कु. स्नेहा तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।



पटना-बिहार। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में तंबाकू मुक्त बिहार के लिए आयोजित जनसहकार कार्यक्रम में सम्प्रेषित करते हुए बिहार विश्वसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार। साथ हैं ब्र.कु. अनीता बहन।



शाहजहांपुर-उ.प्र.। नवनिर्वाचित नगर आयुक्त सौम्य गुरु राणी को ईश्वरीय सौगात भेंट कर बधाई देते हुए ब्र.कु. चरिता एवं ब्र.कु. विनीता।



दिल्ली-गाजीपुर। 'पैस माप नेवर' प्रोजेक्ट के तहत आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुधा बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।



धुवनप्रवर-ओडिशा। बी.जे.पी. नगर सेवाकेन्द्र पर आयोजित सम्मान समारोह के पश्चात् समूह चित्र में बी.जे.पी. कॉलेज प्रो. डॉ. चरित कुमार दास, प्रो. डॉ. सदाशिव मिश्र, प्रो. डॉ. अरविंद दास, प्रो. डॉ. बन्ना महापात्र, प्रो. डॉ. उषा दास (रॉडन), संयोजित प्रभावनाशालिका रानिता दास, सेक्टर कमलाकोट पाणिपती, 1983 बैच की मनोविज्ञान ओएस की छात्रा, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।



मोहाली-बाकरपुर(पंजाब)। ब्रह्माकुमारी संस्था के पश्चात् सीनियर सेक्टरी स्वरूप की प्रिंसिपल श्रीमती सुनीता रानी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीना।



मुंगेर-बादशाहपुर(उ.प्र.)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे नगर पालिका सभासद श्रीमती लक्ष्मी मोहनवाल, ब्र.कु. अनीता, ब्र.कु. ममता, ब्र.कु. रजनी तथा अन्य।



बापु नगर-जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर ब्रह्माकुमारी के गिरिंग, एक्विशन एवं ट्रेनिंग विंग के अंतर्गत पब्लिक गेट, जयपुर सैकल पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. बर्षी, ब्र.कु. पद्मा, ब्र.कु. भावता, ब्र.कु. भाई-बहनें एवं पर्यटकगण।



आरा-बिहार। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में नरी से शरीर पर होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए ब्र.कु. किरण। साथ हैं जेल उपाधीक्षक रिया कुमारी, ब्र.कु. रूपा तथा अन्य।